श्री राम आरती (हिन्दी)

!! आरती कीजे, श्री रामचंद्र की,
दुष्टदलन सीतापति जी की !!

!! पहली आरती, पुष्पन की माला,
काली नाग नाथ लाए गोपाला !!

!! दूसरी आरती, देवकी नंदन,
भक्त उबारन कंस निकंदन !!

!! तीसरी आरती, त्रिभुवन मोहे,
रत्न सिंहासन सीता राम जी सोहे !!

!! चौथी आरती, चहुं युग पूजा,
देव निरंजन स्वामी और न दूजा

!! पांचवीं आरती, राम को भावे,
रामजी का यश नामदेवजी गावें

Pandit.com